



Haryana Government Gazette

Published by Authority

© Government of Haryana

No. 33-2024] CHANDIGARH, TUESDAY, AUGUST 13, 2024 (SRAVANA 22, 1946 SAKA)

PART-I

Notifications, Orders and Declarations by Haryana Government

हरियाणा सरकार

विरासत तथा पर्यटन विभाग

अधिसूचना

दिनांक 24 जुलाई, 2024

संख्या 12/250— रानी की डयोडी—2024/पुरा/2657—2664.— चूंकि, हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि नीचे दी गई अनुसूची के खाना 1 में विनिर्दिष्ट पुरातत्वीय स्थलों और अवशेषों और प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारकों का हरियाणा प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल तथा अवशेष अधिनियम, 1964 (1964 का पंजाब अधिनियम 20) के अधीन संरक्षण अपेक्षित है;

इसलिए, अब, हरियाणा प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल तथा अवशेष अधिनियम, 1964 (1964 का पंजाब अधिनियम 20) की धारा 4 की उपधारा (1) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हरियाणा के राज्यपाल, इसके द्वारा, नीचे दी गई अनुसूची के खाना 1 में विनिर्दिष्ट प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारकों को संरक्षित संस्मारक के रूप में तथा उक्त अनुसूची के खाना 2, 3, 4, 5, 6 तथा 7 में विनिर्दिष्ट पुरातत्वीय स्थलों और अवशेषों को संरक्षित क्षेत्र के रूप में घोषित करने का प्रस्ताव करते हैं।

इसके द्वारा, नोटिस दिया जाता है कि इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तिथि से दो मास की अवधि की समाप्ति पर या उसके पश्चात् सरकार, ऐसे आक्षेपों या सुझावों, यदि कोई हो, के साथ, जो प्रधान सचिव, हरियाणा सरकार, विरासत तथा पर्यटन विभाग, चण्डीगढ़ द्वारा प्रस्ताव के सम्बन्ध में किसी व्यक्ति से इस प्रकार विनिर्दिष्ट अवधि की समाप्ति से पूर्व प्राप्त किए जाए, पर विचार करेगी।

अनुसूची

प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारक का नाम	पुरातत्वीय स्थलों तथा अवशेष का नाम	गांव/ शहर का नाम	तहसील/ जिला का नाम	संरक्षणाधीन राजस्व खसरा/ किला संख्या	संरक्षित किया जाने वाला क्षेत्र कनाल—मरला	स्वामित्व	विशेष कथन
1	2	3	4	5	6	7	8
रानी की डयोडी 20वीं शताब्दी पूर्व	रानी की डयोडी 20वीं शताब्दी पूर्व	रेवाड़ी	रेवाड़ी	लाल डोरा नगर पालिका समिति	6 कनाल	निजी स्वामित्व (अशोक, देवेंद्र, राज कुमार, बिजेंद्र)	1675 में निर्मित रानी की डयोडी कटला बाजार गली में गोकुल गेट से सड़क पर स्थित है। यह संरचना राव नंद राम द्वारा बनाई गई थी और अब इसका स्वामित्व राव बजिंदर सिंह के पास है। इस परिसर में कुछ इमारतें शामिल हैं। मुख्य भवन का उपयोग निवास, कचेहरी या अदालत स्कूल और पुरोहित के लिए हवेली के रूप में भी किया जाता है। हाथी कुंड या हाथी अस्तबल भी परिसर का एक हिस्सा है। लाला लाजपत

प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारक का नाम	पुरातत्वीय स्थलों तथा अवशेष का नाम	गांव/ शहर का नाम	तहसील/ जिला का नाम	संरक्षणाधीन राजस्व खसरा/ किला संख्या	संरक्षित किया जाने वाला क्षेत्र कनाल-मरला	स्वामित्व	विशेष कथन
1	2	3	4	5	6	7	8
							राय ने उस स्कूल में पढ़ाई की थी जो इस परिसर का एक हिस्सा है। निर्मित परिसर में प्रवेश झरोखा और लाखों की एक श्रृंखला के साथ एक धनुशाकार प्रवेश द्वार के माध्यम से होता है। तहखाने से एक सुरंग इस इमारत को नंदसागर या छोटा तालाब से जोड़ती है। निर्माण संरचना छोटी ईंटों के साथ अरावली पहाड़ियों के स्थानीय पत्थर से बनी है और चूने के प्लास्टर से तैयार की गई है। अग्रभाग अलकूंत है और सजावटी प्लास्टर कार्य द्वारा पूर्ण किया गया है।

कला रामचंद्रन,
प्रधान सचिव, हरियाणा सरकार,
विरासत तथा पर्यटन विभाग।

HARYANA GOVERNMENT
HERITAGE AND TOURISM DEPARTMENT

Notification

The 24th July, 2024

No. 12/250-Rani ki Deodhi-2024/pura/2657-2664.— Whereas the Governor of Haryana is of the opinion that archaeological sites and remains and ancient and historical monuments specified in column 1 of the Schedule given below requires protection under the Haryana Ancient and Historical Monuments and Archaeological Sites and Remains Act, 1964 (Punjab Act 20 of 1964);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred under sub-section (1) of section 4 of the Haryana Ancient and Historical Monuments and Archaeological Sites and Remains Act, 1964 (Punjab Act 20 of 1964), the Governor of Haryana hereby proposes to declare the ancient and historical monuments specified in column 1 of the Schedule given below, to be protected archaeological sites and remains specified in columns 2, 3, 4, 5, 6 and 7 of the said Schedule to be protected area.

Notice is hereby given that the proposal shall be taken into consideration by the Government on or after the expiry of a period of two months from the date of publication of this notification in the Official Gazette, together with objections or suggestions, if any, from any person with respect to the proposal which may be received by the Principal Secretary to Government, Haryana, Heritage and Tourism Department, Chandigarh before the expiry of the period so specified: -

SCHEDULE

Name of ancient and historical monuments	Name of archaeological sites and remains	Name of village/ city	Name of tehsil / district.	Revenue Khasra/ Kila number under protection.	Area to be protected Kanal-Marla	Ownership	Remarks
1	2	3	4	5	6	7	8
Rani ki Deodhi, 20th Century CE,	Rani ki Deodhi, 20th Century CE	Rewari	Rewari	Lal Dora (Municipal Committee)	6 Kanal	Private ownership (Ashok, Devender Raj Kumar, Bijender)	Built in 1675, Rani Ki Deodhi is located in Katla Bazaar Gali, on the road from Gokul Gate. This structure was built by Rao Nand Ram and is now owned by Rao Bajinder Singh. The Complex Comprises few buildings. The main building has been used as a residence, a kachehri or a court school and also as a haveli for a Purohit. Hanthi Kund or elephant stable is also a part of the complex. Lala Lajpat Rai had studied in the school that

Name of ancient and historical monuments	Name of archaeological sites and remains	Name of village/city	Name of tehsil / district.	Revenue Khasra/ Kila number under protection.	Area to be protected Kanal-Marla	Ownership	Remarks
1	2	3	4	5	6	7	8
							<p>forms a part of this complex.</p> <p>The entrance to the built complex is through an arched gateway with jharokha and a series of niches. A tunnel from the basement connects this building to the Nandsagar or Chhota Talab. The build structure is in local stone from Aravalli hills along with small bricks and finished in lime plaster. The façade is ornate and finished in decorative plaster work.</p>

KALA RAMACHANDRAN,
Principal Secretary to Government, Haryana,
Heritage and Tourism Department.